RP – 04

B.A.B.Ed. (Semester – VI) Examination, April/May 2018
HINDI (Paper – VIII)
Hindi Sahitya – Ritikaal

Duration : 2 Hours | Total Marks : 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : (3×5=15)
   I) रीतिकाल के सामंती वातावरण पर प्रकाश डालिए ।
   II) रीतिकालीन स्त्रियों की दशा पर प्रकाश डालिए ।
   III) घनानंद की नायिका 'कहां को बैर काढ़ति री' – किसे और क्यों कहती है ?
   IV) कवि मतिराम नायिका के सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार करते है ?
   V) छंद की परिभाषा लिखकर लघु और गुरू के नियमों पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : (3×5=15)
   I) रीतिमुक्त कविता में आंतरिक अनुभूति को प्रधानता दी गयी–स्पष्ट कीजिए ।
   II) किस काव्यधारा के कवियोंने लक्षण ग्रंथों को अपनाया ? क्यों ?
   III) बिहारी के अनुसार धनवान व्यक्ति का स्वभाव किस तरह का होता है ?
   IV) कवि देव बालक वसंत का वर्णन किस प्रकार करते है ?
   V) अतिशयोक्ति अलंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए ।

3. अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

   i) निकसत म्यान ते मयूखै प्रलै भानु कैसी 5
   फारै तम तोम से गयंदन के जाल को ।
   लागति लपटि कंठ बैरिन के नागिन सी,
   रूद्रहि रिझावै दै–दै मुंडन के माल को ।
   लाल छितिपाल छत्रसाल महाबाहुबली,
   कहाँ लौं बखान करौं तेरी करवाल को ।
   प्रतिभट कटक कटीले केते काटि–काटि,
   कालिका सी किलकि कलेऊ देति काल को ।।

   अथवा

   ii) घर ना सुहात, ना सुहात बन–बाहिर हूँ , 5
   बाग ना सुहात ले खुसाल खुसबोही सो ।।
   कहै 'पद्माकर' घनेरे घन–घाम त्यों ही,
   चन्द न सुहात ना चाँदनी हूँ जोग जोही सों
   साँझ ना सुहात ना सुहात दिन माँझ कछू,
   व्यापी यह बात सो बखानत हौं तोही सों ।
   राति ना सुहात ना सुहात परभात आली,
   जब मन लागि जात काहू निरमोही सो ।।

P.T.O.

आ) i) कवि पद्माकर के पठित पदों के आधार पर विरहिणी नायिका का वर्णन कीजिए । 5

अथवा

ii) बिहारी के श्रृंगारपरक दोहों का विवेचन कीजिए । 5

4. अ) रीतिकालीन सामाजिक एवं धार्मिक परिवेश पर प्रकाश डालिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5)

i) रीतिकाल का नामकरण ।

ii) रीतिकाल का राजनीतिक परिवेश ।

5. अ) रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5)

i) रीतिसिद्ध काव्य ।

ii) रीतिकाव्य का कलापक्ष ।

6. अ) निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **दो** के लक्षण बताकर उदाहरण दीजिए । 5

1) हरिगीतिका

2) सवैया

3) कवित्त

4) इंद्रवज्रा

आ) निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** को परिभाषित करते हुए उदाहरण दीजिए । 5

1) विरोधाभास

2) प्रतीप

3) भ्रांतिमान

4) मानवीकरण